

किये गये। इनकी कविताएँ, भारतीय संगीत, नृत्य, प्रेरणा श्रीमाली-आठ दस दिन का भारतीय समारोह। सैकड़ों लोग आये। आज कल, फ्रांस में भी भारतीय संस्कृति प्रमुख मानी जा रही है। अशोक की कविताओं का अनुवाद-मास्को, पोलेन्ड, लन्दन, पैरिस में भी किया जा रहा है। दूसरे कलाकार, चित्रकार भी अपने चित्र प्रदर्शित कर रहे हैं। आवश्यकता है, आजकल कठोर श्रम और कार्य संकल्प, एकाग्रता की।

भोपाल में ही पहला महत्वपूर्ण, आधुनिक कला केन्द्र "भारत भवन" अशोक की कल्पना और विचारों से बना। चाहु कोरिया ने इसे बहुत सुन्दर रूप दिया। आशा है कि हम भविष्य में - एक नया केन्द्र बना सकेंगे - दिल्ली के पास ही-जिसमें अशोक, अखिलेश, मनीष और हम सब का सहयोग अनिवार्य है।

आज, हमारे "उज्जैन महोत्सव" के लिये - मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ-

रजा